

13.2.23

पत्रवाली पेश हुई। करील काटी  
के आवाज लगाई गई। बाट-बाट  
आवाज लगाने पर भी करील काटी  
हानि नहीं आये। अतः पत्रवाली  
के अम देवी, अम हानि में खास  
दिप। जाल है। पत्रवाली के शत  
शुभा होकर नमक ले कम हो।  
हाविल दफ्तार हो।

अहायक कलकत्ता (फास्ट ट्रेक)  
दौलाराम (सीकर)